मोनो रेल बदलेगी राजधानी की सूरत

इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इण्डिया लिमिटेड के सीएमडी ने मुख्यमंत्री को सौंपा प्रोजेक्ट्स

पटना सिटी : 'बढ़ते व बदलते बिहार को विकास की जरूरत है। सभी के सहयोग से ही यहां की सीरत व सूरत बदलेगी। धार्मिक स्थलों के केंद्र रहे पाटलिपुत्र में मोनो रेल चलाने से जाम की समस्या पर काबू पाया जा सकता है।' यह बातें भारत सरकार के उपक्रम के इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एसपीएस बक्शी ने गुरुवार को कहीं। उनके अनुसार राजधानी में मोनो रेल चलाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया गया है। वे गुरुवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में मत्था टेकने पहुंचे थे।

उन्होंने बताया कि मोनो रेल निर्माण के लिए मलेशिया की कंपनी के साथ करार हुआ है। बांग्लादेश तथा श्रीलंका सरकार को भी मोनो रेल प्रोजेक्ट सौंपा है। मोनो रेल के एक डिब्बे में 160 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। 140 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से खर्च आएगा।

जनवरी में 125 करोड़ रुपये से नालंदा में निर्मित रेलवे वर्कशाप का उद्घाटन होगा। राजगीर में 180 करोड़ से निर्मित पुलिस एकेडमी का निर्माण कार्य जनवरी में प्रारंभ हो जायेगा। तीस माह में यह कार्य पूरा होगा। देश-विदेश से राजधानी आने वाले लोगों की सुविधा के लिए पटना के आसपास बड़े व इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जरूरत है। मौजूदा एयरपोर्ट काफी छोटा है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार पटना -नालंदा मार्ग में चार हजार बीघा जमीन उपलब्ध कराये तो वहां अंतरराष्ट्रीय रनवे बनाया जा सकता है। बक्शी के साथ कम्पनी के निदेशक (वित्त) एके वर्मा भी थे। दोनों को ग्रंथी ने सिरोपा दे सम्मानित किया।

पटना, 14 दिसंबर 2012 दैनिक जागरण